University in News on 23 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

चांसलर, डॉ. चक्रवर्ती व अन्य पदकों के लिए 30 तक करना होगा आवेदन

लविवि प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के लिए मांगे नाम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ पदकों के लिए विद्यार्थियों को 30 अक्तूबर तक आवेदन करना होगा। सीधे आवेदन के साथ ही डीन, चीफ प्रोवोस्ट व अन्य पदाधिकारियों से भी इन पदकों के लिए नाम मांगे गए हैं। लविवि का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को प्रस्तावित है।

दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 198 पदक दिए जाने हैं। इनमें से 15 पदकों को छोड़कर ज्यादातर प्रायोजित हैं। समारोह में चांसलर्स मेडल के तहत एक गोल्ड, दो सिल्वर और बाकी ब्रोंज मेडल दिए जाते हैं। चांसलर्स गोल्ड मेडल लविवि पीजी की परीक्षा पास कर चुके सर्वश्रेष्ठ बहुमुखी प्रतिभा वाले स्टूडेंट को दिया जाता है। चांसलर्स सिल्वर मेडल विवि में स्नातक के अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स और पीजी स्तर पर पढ़ने वाले छात्रों में से पढ़ाई के साथ ही अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ओवरऑल स्टूडेंट और बेस्ट गर्ल स्टूडेंट को दिया जाता है। चांसलर्स ब्रोंज मेडल विवि के सभी संकायों के बेस्ट स्टूडेंट्स को दिया जाता है। विवि का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित डॉ. चक्रवर्ती मेडल सामाजिक कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को दिया जाता है। इन मेडल के साथ ही रुचिराम साहनी रिसर्च प्राइज, बनर्जी रेग्युलेशन अवॉर्ड तथा राजाराम शंकर ऑफ मौरावां गोल्ड मेडल के लिए भी नाम मांगे गए हैं। इसके अलावा ज्यादातर पदक विभिन्न पाठ्यक्रम या फिर पेपर में सबसे ज्यादा नंबर लाने वाले विद्यार्थियों को दिए जाते हैं।

लविवि : कई पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लविवि ने रविवार को विभिन्न पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जारी कर दिया। इसमें बीकॉम ऑनर्स, बीवीए के साथ ही योगा के स्नातक तथा परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के रिजल्ट रविवार को विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए। (माई सिटी रिपोर्टर)

आम जनमानस में बसी रही अवधी

भाषा महोत्सव : अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत व लविवि का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में भाषा संस्थान के कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन करते अतिथि। संवाद

लखनऊ। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित ने कहा कि अवधी कभी भी राज्याश्रय में नहीं रही है। इसके बजाय यह जनमानस में रची-बसी रही है। वे रविवार को अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) व लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित भाषा महोत्सव-2023 का अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे। इस मौके पर साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों और लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया।

प्रो. दीक्षित ने कहा कि आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे जा रहे हैं। समारोह में विद्वानों ने अवधी अकादमी स्थापित करने की मांग उठाई। विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म, न्यायाधीश ब्रजमोहन गुप्ता, छोटेलाल मिश्र और श्रम आयुक्त रामसागर यादव के साथ ही राज्यसभा सांसद बृजलाल मौजूद रहे। इस मौके बृजलाल की पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया। साथ ही में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका व देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, डॉ. आकांक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा द्वारा अनुवादित जी आसा से निकासा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव व गौतमबुद्ध चरित्र का विमोचन किया गया।

भाषा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। लविवि के प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह व प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर अवधी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत कीं।

इनका हुआ सम्मान

- डॉ. भास्कर शर्मा को सूर्यप्रसाद दीक्षित अलंकरण, फारूक सरल को रमई काका सम्मान, राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे, संदीप मिश्र, सरस रमेश बाजपेई, आकांक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह शताक्षी और निधि दुबे को सम्मानित किया गया।

HINDUSTAN PAGE 8

अब अवधी में निबंध, कहानी उपन्यास भी लिखे जा रहे

अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) व एलयू के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भाखा महोत्सव 2023 का भव्य आयोजन लखनऊ विद्यालय परिसर में हुआ।

- एलयू परिसर में भाखा महोत्सव का आयोजन
- दूरदर्शन,आकाशवाणी के कलाकारों ने प्रस्तुति दी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) और एलयू की ओर से भाखा महोत्सव 2023 का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। समारोह में दूरदर्शन और आकाशवाणी के कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुति दी।

इसके अलावा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने के लिए शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धन सिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, आकांक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुवादित आशा से निकाशा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव और गौतम बुद्ध चरित्र पुस्तक का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि राज्य सभा सदस्य ब्रजलाल और अध्यक्षता कर रहे प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. सूर्य प्रताप दीक्षित ने कहा की अवधि भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही। लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे जा रहे हैं। जिसमें परंपरा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता पैदा की है। मुख्य अथिति राज्यसभा सांसद ब्रजलाल की पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भास्कर शर्मा को सूर्यप्रसाद दीक्षित अलंकरण, फारूक सरल को रमई काका सम्मान सम्मान के साथ राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे, संदीप मिश्र, सरस रमेश बाजपेई, आकांक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह, शताक्षी और निधि दुबे को सम्मानित किया गया।

i-NEXT PAGE 4

भाषा महोत्सव में अवधी साहित्य पर चर्चा

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत व लखनऊ यूनिवर्सिटी के सहयोग से कार्यक्रम

LUCKNOW (22 Oct): अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत व लखनऊ यूनिवर्सिटी के सहयोग से रविवार को भाषा महोत्सव का आयोजन हुआ. इस मौके पर दूरदर्शन और आकाशवाणी के कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुति दी. साथ ही साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ, देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने डॉ. आकांक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा की अनुदित जी आसा से निकासा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव व गौतमबुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया गया.

जनमानस में रही अवधी

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी व राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल व कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर सूर्य प्रसाद दीक्षित शामिल हुए. प्रो. दीक्षित ने कहा की अवधी भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही. लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में रही है. अवधी में कविता के अलावा निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे गए, जिसमें आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की है. विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म न्यायाधीश ब्रजमोहन गुप्ता, छोटे लाल मिश्र, श्रम आयुक्त राम सागर यादव मौजूद रहे. लखनऊ विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह व प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूप रेखा बताई.

PIONEER PAGE 3

अवधी भाषा कभी राज्यश्रय में नही रही: प्रो. दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत, गुजरात तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को भाखा महोत्सव 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल तथा अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो दीक्षित ने कहा की अवधी भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही। लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी,उपन्यास लिखे जा रहे हैं। जिसमें परमरा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद ब्रजलाल की कई पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान उन्होंने अवधी अकादमी की स्थापना पर बाल दिया। विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह तथा प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में डाक्टर भास्कर शर्मा को सूर्यप्रसाद दीक्षित अलंकरणश्री, फारूक सरल को रमई काका सम्मान दिया गया। इसके साथ ही राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे तथा संदीप मिश्र सरस, रमेश बाजपेई, आकाँक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह, शताक्षी एवं निधि दुबे को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अवधी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ, देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, डाक्टर आकाँक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डाक्टर गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुदित जी आसा से निकासा उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव तथा गौतमबुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया गया। भाषा संस्थान के अध्यक्ष डाक्टर गंगा प्रसाद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म, न्यायाधीश ब्रजमोहन गुप्ता, छोटे लाल मिश्र श्रम आयुक्त, राम सागर यादव मौजूद रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

'लोक से जुड़ने की वजह से जनमानस में व्याप्त रही अवधी'

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भाषा महोत्सव में पत्रिकाओं का लोकार्पण करते प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित राज्य सभा सदस्य ब्रजलाल व अन्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ: अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान और लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को विश्वविद्यालय परिसर में भाषा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें दूरदर्शन और आकाशवाणी के कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुति दी। समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले शिक्षाविद्, अवधी साहित्य और लोक कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि अवधी भाषा कभी भी राज्यश्रय में नहीं रही है। लोक से जुड़े होने की वजह से यह जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे जा रहे हैं। जिसने परंपरा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता पैदा की है।

समारोह में पूर्व डीजीपी और राज्य सभा सदस्य ब्रजलाल ने अवधी अकादमी की स्थापना पर बल दिया। लखनऊ विवि के वरिष्ठ प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह और प्रो. पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में डा. भास्कर शर्मा को सूर्य प्रसाद दीक्षित अलंकरण, फारूक सरल को रमई काका सम्मान, राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे, संदीप मिश्र, रमेश बाजपेयी, आकांक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह, शताक्षी, निधि दुबे को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अवधी काव्य सम्मेलन में कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म, न्यायाधीश ब्रज मोहन गुप्ता, छोटे लाल मिश्र, श्रम आयुक्त राम सागर यादव, पूर्व आइपीएस ज्ञानेश्वर तिवारी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन रश्मिशील ने किया।

पत्रिकाओं का लोकार्पण : अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका, देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने न माने, डा. आकांक्षा दीक्षित की पुस्तक प्रेमदूत, भाषा संस्थान के अध्यक्ष डा. गंगा प्रसाद शर्मा की अनुदित पुस्तक, उमाशंकर शुक्ला की पुस्तक लोकनायक गुरुनानक और गौतम बुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया गया।

बी.काम. और योग पाठ्यक्रमों के रिजल्ट घोषित : लवि और संबद्ध महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का सम सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। बी.काम. आनर्स दूसरे सेमेस्टर, योग दूसरे सेमेस्टर, बी.ए. योग चौथे सेमेस्टर, बी.एससी. योग चौथे सेमेस्टर, एम.एससी. योग दूसरे और एम.ए. दूसरे सेमेस्टर आदि का रिजल्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत विविध पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी कर दिए हैं। बीकॉम आनर्स द्वितीय सेमेस्टर, बीवीए अप्लाईड आर्ट, पेंटिंग, स्कल्पचर छठा सेमेस्टर, बीए योग, बीएससी योग द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर एमएससी और एमए योग द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसमें महाविद्यालयों के छात्रों का परिणाम भी शामिल है।

चांसलर व चक्रवर्ती मेडल के लिए नाम तय नहीं

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की तैयारियां जारी है लेकिन अभी चांसलर गोल्ड मेडल और चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए मेधावियों का नाम तय नहीं है। कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने कहा कि मेधावियों का नाम पारदर्शिता के साथ तय हो इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों से सूची मांगी गई है। ये सूची विभागाध्यक्षों को 30 अक्टूबर तक हर हाल में देनी होगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जो छात्र इसके पात्र होंगे उन्हीं को मेडल दिया जाना है। ऐसे में विभागों की सूची मांगी गई है। इस सूची से मेधावियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक विद्यार्थियों के नाम परीक्षा नियंत्रक कार्यालय भेजना होगा। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में रुचि राम साहनी रिसर्च प्राइज इन बॉटनी 2023 और बनर्जी रेगुलेशन रिसर्च प्राइस 2023 के लिए भी गाइड लाइन जारी कर दी गई है। मेधावियों के आने के बाद स्क्रीनिंग की जाएगी और उसके बाद प्रमुख पदकों के लिए साक्षात्कार होंगे।

साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को मिला सम्मान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) की ओर से भाखा महोत्सव 2023 का आयोजन रविवार को किया गया। इस मौके पर साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धन सिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, आकांक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुदित जी आशा से निराशा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव और गौतम बुद्ध चरित्र पुस्तक का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि राज्य सभा सदस्य ब्रजलाल और अध्यक्षता कर रहे प्रो . सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षाविदों का सम्मान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में

दूरदर्शन व आकाशवाणी के कलाकारों ने दी संगीतमय प्रस्तुति

भाखा महोत्सव 2023 का भव्य आयोजन लविवि परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के कलाकारों द्वारा संगीतमय मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर,धन सिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, डा.आकाँक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डा.गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुदित जी आसा से निकासा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव तथा गौतमबुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया गया। भाषा संस्थान के अध्यक्ष डा.गंगा प्रसाद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डीजीपी तथा राज्य सभा सदस्य ब्रजलाल तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में प्रो.सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो.दीक्षित ने कहा कि अवधि भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही। लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे जा रहें जिसमें परम्परा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म, न्यायाधीश ब्रजमोहन गुप्ता, छोटे लाल मिश्र श्रम आयुक्त, राम सागर यादव मौजूद रहे। मुख्य अथिति राज्यसभा सांसद ब्रजलाल की अनेक पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया तथा अवधी अकादमी की स्थापना पर बाल दिया। लविवि के वरिष्ठ प्रो.योगेन्द्र प्रताप सिंह तथा प्रो.पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में डा.भास्कर शर्मा को सूर्य प्रसाद दीक्षित अलंकरण, फारूक सरल को रमई काका सम्मान, राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे तथा संदीप मिश्र सरस रमेश बाजपेई आकाँक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी ममता सक्सेना ममता सिंह शताक्षी एवं निधि दुबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अवधी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व आईपीएस ज्ञानेश्वर तिवारी तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.अनुराधा तिवारी,विभाग के अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डा.रश्मिशील ने किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

ब्रजलाल ने अवधी अकादमी की स्थापना पर दिया बल

लविवि में आयोजित हुआ भाषा महोत्सव, कई पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत (गुजरात) और लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भाषा महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुति दी। इसके अलावा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक शिक्षाविदों अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, डॉ. आकांक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुदित जी आसा से निकासा, उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव और गौतमबुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया। भाषा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

- प्रो . सूर्यप्रसाद दीक्षित ने कहा-अवधी भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डीजीपी व राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो.दीक्षित ने कहा कि अवधि भाषा कभी राज्यश्रय में नहीं रही। लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी, उपन्यास लिखे का रहें, जिसमें परमरा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के निबंधक महेंद्र भीष्म, न्यायाधीश ब्रजमोहन गुप्ता, छोटे लाल मिश्र, श्रम आयुक्त राम सागर यादव मौजूद रहे। मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल की अनेक पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया तथा अवधी अकादमी की स्थापना पर बल दिया। लखनऊ विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह तथा प्रो. पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में डॉ. भास्कर शर्मा को सूर्यप्रसाद दीक्षित अलंकरणश्री फारूक सरल को रमई काका सम्मान, राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे और संदीप मिश्र सरस, रमेश बाजपेई, आकांक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह, शताक्षी एवं निधि दुबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अवधी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व आईपीएस ज्ञानेश्वर तिवारी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी, विभाग के अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रश्मिशील ने किया।